वियतनाम समाजवादी गणराज्य के महामहिम राष्ट्रपति चुअंग तन साँग द्वारा आयोजित राज-भोज के अवसर पर भारत के राष्ट्रपति का अभिभाषण

हनोई, वियतनाम : 15.09.2014

महामहिम, राष्ट्रपति चुअंग तन साँग,

व शष्ट अति थगण,

मैं यहां आकर सम्मान का अनुभव कर रहा हूं। मैं आपके उदारतापूर्ण शब्दों तथा आप द्वारा व्यक्त वनम्र उद्गारों,जिनका मैं उसी तरह प्रत्युत्तर देना चाहूंगा,के लए आपको धन्यवाद देता हूं। मैं वयतनाम की सरकार तथा जनता द्वारा मेरे तथा मेरे शष्टमंडल के भावपूर्ण स्वागत से अत्य धक प्रभा वत हुआ था। वयतनाम की मेरी यात्रा से मुझे,दोनों महान देशों के बीच स्थाई मैत्री तथा सहयोग के लए भारत की सरकार तथा जनता की गहरी प्रतिबद्धता से,आपको व्यक्तिगत रूप से अवगत कराने का अवसर मला है।

महामहिम, वयतनाम वह देश है, जिसके लोगों को भारत बहुत सम्मान के साथ देखता है। हम वयतनाम के लोगों के अ वजेय साहस,हर तरह की वपरीत परिस्थितियों के समक्ष सफलता प्राप्त करने के उनके दृढ़ संकल्प और दृढ़ता तथा सबसे शक्तिशाली शत्रुओं के समक्ष साहस के प्रदर्शन की बहुत सराहना करते हैं। आज, वही गुण तथा राष्ट्रीय चरित्र आपकी आ र्थक प्रगति और वकास को गति प्रदान कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप,आपकी जनता की समृ द्ध बढ़ी है तथा जीवन स्तर बेहतर हुआ है। यह प्रगति इस देश के प्रेरणादायक नेतृत्व की तथा इस देश के लोगों की लगन का प्रमाण है।

महामहिम, सदियों से हमारे दोनों देश परस्पर लाभदायक व्यापार तथा शांतिपूर्ण संबंधों से निकटता से जुड़े रहे हैं। इनमें से,हमारा सबसे मजबूत संबंध हमारी बुद्ध धर्म की साझी वरासत है। आज भी,बुद्ध के उपदेश तथा उनके सद्धांत कारगर और प्रासं गक हैं तथा हमारे दोनों समाजों द्वारा इनका अपने दैनिक जीवन और व्यवहार में प्रयोग कया जाता है।

उपनिवेशी शासन से आजादी का हमारा संघर्ष भी समान रहा है। 1942में सुप्र सद्ध हो च मन्ह ने कारागार की अपनी कोठरी से पं डत नेहरू को,जो उस समय खुद जेल में थे,यह कहते हुए पत्र लखा था क यद्य प वे कभी मले नहीं हैं और उनके बीच हजारों मील का फासला है परंतु फर भी वे'निशब्द'संवाद करते रहे हैं। निश्चय ही,पं डत नेहरू ने हो च मन्ह को अपनी पूर्ण एकजुटता

तथा समर्थन दिया था। वह हनोई की आजादी के बाद वयतनाम लोकतांत्रिक गणराज्य की यात्रा करने वाले पहले वदेशी नेता थे। यह भी उल्लेखनीय है क पं डत नेहरू की इस यात्रा के दौरान ही,आजाद हनोई में लौटने के बाद,हो च मन्ह पहली बार जनता के सामने आए थे।

1958में हो च मन्ह को उनकी दिल्ली यात्रा के दौरान और डॉ. राजेंद्र प्रसाद को1959में उनकी वयतनाम यात्रा के दौरान जनता का जो शानदार स्वागत मला,वह हम दोनों की जनता के बीच महान समानुभूति तथा मत्रता का प्रतीक था।

मैं अपने देशों के इन राष्ट्र निर्माताओं की प्रगाढ़ मैत्री का स्मरण करना चाहूंगा क्यों क यह उनकी परिकल्पना तथा दूरदृष्टि ही थी जिसने हमारी प्रगाढ़ता की भारी संभावनाओं को पहचाना था। हमारे नेतृत्व की अगली पीढ़ियों ने इसको संजोया और मजबूत कया है। इसकी गर्मजोशी बनी हुई है तथा आज मुझे दिए गए सत्कार में मैं इसे महसूस कर सकता हूं।

महामहिम, हमारे राष्ट्रों ने उपनिवेशवाद के बाद की एकजुटता से आगे बढ़ते हुए स्वाभा वक साझीदार के रूप में कार्यनीतिक मैत्री के अगले चरण में प्रवेश कर लया है। हमारे रिश्ते कभी भी इतने बेहतरीन नहीं रहे जितने आज हैं। हमारी कार्यनीतिक साझीदारी एक मजबूत, परस्पर लाभदायक, बहुमुखी संबंधों के रूप में वक सत हो चुकी है। क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मंचों पर हमारा सहयोग इस कार्यनीतिक साझीदारी का एक मजबूत स्तंभ है। इसे,उच्चतम राजनीतिक स्तर पर निय मत आदान-प्रदान तथा हमारे द्वारा स्था पत संस्थागत तंत्रों के द्वारा सशक्त कया गया है।

आज, जब हम वश्व की दो सबसे तेजी से प्रगति करती हुई अर्थव्यवस्थाओं के रूप में उभर रहे हैं,तब हमारे द् वपक्षीय व्यापार तथा निवेश, वज्ञान और प्रौद्यो गकी में हमारा सहयोग,मानव संसाधन वकास में हमारा सहयोग तथा हमारे सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लए हमारे संयुक्त प्रयासों की संभावनाएं असी मत हैं।

हमारे नजरियों में अ धकतर क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर समानता है। हमारा यह वश्वास है क हम मलकर इस क्षेत्र में तथा वश्व में शांति,स्थाईत्व तथा सुरक्षा को बढ़ावा दे सकते हैं। ऐसे दो वकासशील देश होने के नाते,जिनकी भ वष्य पर दावेदारी है, हमें अपनी बहुत सी समानताओं से लाभ उठाना चाहिए।

मुझे वश्वास है क हमारा संवाद तथा साझीदारी आने वाले वर्षों में और भी मजबूत होगी। भ वष्य हमारे सामने बहुत से अवसर तथा निश्चित रूप से बहुत सी चुनौतियां रख रहा है। अपने राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा तथा शांति और समृ द्ध के अपने साझे लक्ष्यों की प्राप्ति के लए भारत और वयतनाम को मलकर चलना होगा।

भारत सदैव आपका भरोसेमंद तथा हर हाल में साथ निभाने वाला मत्र बना रहेगा।

महामहिम, दे वयो और सज्जनो,

आइए हम सब मलकर :

- वयतनाम समाजवादी गणराज्य के राष्ट्रपति, महामहिम चुअंग तन साँग तथा आज यहां मौजूद आप सभी लोगों के अच्छे स्वास्थ्य, खुशहाली तथा सफलता के लए;
- वयतनाम की बहादुर तथा मैत्रीपूर्ण जनता की शांति, समृ द्ध और प्रगति के लए;और
- भारत तथा वयतनाम के बीच मैत्री के चरस्थाई संबंधों के लए,कामना करें।

धन्यवाद।